P.G.:
SEM-III
Paper-11

डॉ० कुमारी चम्पा
हिन्दी विभाग
महाराजा कॉलेज

प्रश्न → पत्रकारिता का अर्थ ~~[illegible]~~ समझाइए ?

उत्तर :- पत्रकारिता शब्द अंग्रेजी के 'जर्नलिज्म' का हिन्दी रूपान्तरण है। 'जर्नलिज्म' शब्द जर्नल से निर्मित है और इसका अर्थ है 'दैनिकी', 'दैनंदिनी', 'रोजनामा' अर्थात जिसमें दैनिक कार्यों का विवरण हो। आज जर्नल शब्द 'मैगजीन', 'समाचार पत्र', दैनिक अखबार का द्योतक हो गया है। 'जर्नलिज्म' यानी पत्रकारिता का अर्थ समाचार पत्र पत्रिका से जुड़ा व्यवसाय, समाचार संकलन, लेखन, संपादन प्रस्तुतीकरण, विवरण आदि होगा। हिंदी में भी पत्रकारिता का अर्थ लगभग यही है। 'पत्र' से 'पत्रकार' और फिर 'पत्रकारिता' से इसे समझा जा सकता है। पत्रकार का अर्थ समाचार पत्र का संपादक या लेखक और पत्रकारिता का अर्थ पत्रकार का काम या पेशा, समाचार के संपादन, समाचार इकट्ठे करने आदि का विवेचन करने वाली विद्या।

आजकल पत्रकारिता के लिए अनेक पर्यायवाची नाम चल पड़े हैं। पत्रकार कला या पत्र कला ऐसे ही नामों में है। इसी से मिलते जुलते संपादन कला शब्द का प्रयोग प्रयोग भी बहुत दिनों तक किया जाता रहा है। किंतु संपादन कला और पत्रकारिता या पत्र कला शब्दों में कुछ अंतर है। संपादन शब्द 'पद' धातु से निष्पन्न है जिसका अर्थ है - किसी वस्तु या विषय में गति होना। इस प्रकार संपादन का

अर्थ है वह क्रिया, जिसके द्वारा किसी विषय में सम्यक रूप से गति हो। प्राय: यह कहा जाता है कि अमुक सभा अमुक स्थान पर संपादित हुई या अमुक काम अमुक आदमी ने संपादित किया। इससे यह स्पष्ट होता है कि किसी भी ऐसी क्रिया को जो अपने अनुष्ठान को योग्यतापूर्वक पूरी करती हो संपादन कहा जा सकता है। 'संपादन कला' शब्द इसी क्रिया से बना है। मूलत: इस शब्द में अर्थव्याप्ति है, पर इसका रूढ़ अर्थ ही गृहीत होता है। अर्थ संकोच के कारण इसका रूढ़ अर्थ समाचार-पत्रों में संपादकीय लेख या टिप्पणियाँ लिखने आदि से लिया जाता है। किंतु पत्रकारिता शब्द का अर्थ व्यापक है। समय के परिवर्तन के साथ-साथ इस शब्द की अर्थ व्याप्ति भी होती गयी है। वर्षों पूर्व समाचार पत्रों में छपने वाली बात लिख देना ही पत्रकारिता समझी जाती थी। धीरे-धीरे समाचार पत्रों में समाचार-प्रेषण, मुद्रण और वितरण के साधनों में वैज्ञानिक, प्राविधिक या शैल्पिक उन्नति होती गयी; पत्रकारिता का कार्य क्षेत्र फैलता गया। छपने वाले समाचार तैयार करना ही पत्रकारिता नहीं रह गयी। आकर्षक शीर्षक देना, पृष्ठों का आकर्षण बनाव सीधा तिरछा समाचार देने की प्रतिस्पर्धा समाचारों के चित्र भी जल्दी से जल्दी छापने की होड़, देश-विदेश के प्रमुख उद्योग धंधों के विज्ञापन प्राप्त करने का कौशल, सुन्दर छपाई और पाठकों के

हाथ में शीघ्रातिशीघ्र पहुँचा देने की सुविधा आदि बातें पत्रकारिता के अंतर्गत परिगणित होती है। पत्र तैयार करना और वितरित करना, ये दोनों बातें पत्रकारिता के क्षेत्र के अंतर्गत होती है। अब रेडियो और टेलीविजन भी इसी के अंतर्गत परिगणित किए जाने लगे हैं। इस प्रकार पत्रकारिता का क्षेत्र अब व्यापक हो गया है और तेजी से बढ़ता जा रहा है। इसलिए संपादन कला के स्थान पर पत्रकारिता या पत्रकार कला जैसे शब्दों का प्रयोग ही सही है। आज के युग में पत्रकारिता के अनेक माध्यम हो गए हैं। जैसे - अखबार, पत्रिकाएँ, रेडियो, दूरदर्शन, वेब पत्रकारिता, सोशल मीडिया, इंटरनेट आदि।